many Post Offices including Gauhati, Zanabazar, Silpukhuri, Jorhat etc. in Assam in the months of August and September, 1965; and

(b) if so, the main reasons therefor?

The Deputy Minister in the Department of Communications (Shri Bhagavati): (a) Yes.

(b) Owing to delay in receipt of postal stationery from the Security Press.

'अधिक अन्न उपजाओ' पर प्रधान मंत्री के भाषण का प्रसारण

1033. **श्री यशपाल सिंह :** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने 'अधिक अन्न उपजाओ' के बारे में प्रधान मंत्री का आकाशवाणी से प्रसारित भाषण राष्ट्रीय भाषाओं में किसानों को दिया है ;

(ख) क्या इस भाषण को विभिन्न राज्यों में आकाशवाणी के केन्द्रों से राज्यों की प्रादेशिक भाषाओं में प्रसारित किया गया है ; और

(ग) यदि नहीं, तो इस सम्बन्ध में क्या कदम उठाये गये हैं ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्रीमती इन्दिरा गांधी) : (क) जी, नहीं । परन्तु इस विषय पर प्रधान मंत्री की ओर से देश की प्रत्येक ग्राम पंचायत को सभी प्रादेशिक भाषाओं में एक व्यक्तिगत पत्र शीघ्र ही भेजा जायगा । प्रधान मंत्री का प्रसारित भाषण खाद्य और कृषि मंत्रालय की मासिक पत्रिका "इन्टैन्सिव एग्रीकल्चर" (अंग्रेजी) और "उन्नत कृषि" (हिन्दी) के दिसम्बर अंकों में भी छापा जा रहा है । इन पत्रिकाओं की प्रतियां देश के सभी ब्लाक और क्षेत्र विस्तार कार्यकर्ताओं तथा इनके ग्राहक किसानों के पास पहुंचती हैं ।

(ख) जी, नहीं ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

प्रचार नीति

1034. **श्री सिद्धेश्वर प्रसाद :**
श्रीमती मैमूना सुल्तान :

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या 12-13 अक्टूबर, 1965 को नई दिल्ली में राज्यों के प्रचार निर्देशकों की स्थायी समिति की बैठक में प्रचार नीति में आवश्यक परिवर्तन करने के कोई सुझाव दिये गये थे ;

(ख) यदि हां, तो उपरोक्त बैठक में क्या महत्वपूर्ण निर्णय किये गये हैं ; और

(ग) उन पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्रीमती इन्दिरा गांधी) : (क) से (ग). पिछले 12 और 13 अक्टूबर, को नई दिल्ली में हुई राज्यों के प्रचार निर्देशकों की स्थायी समिति की बैठक सरकार की प्रचार नीति में परिवर्तन करने के कोई सुझाव नहीं दिये गये थे, न इस समिति को यह अधिकार था ।

भारत पाकिस्तान संघर्ष के दौरान सूचना और प्रसारण मंत्रालय के विभिन्न प्रचार विभागों और राज्यों द्वारा जो प्रचार कार्य किया गया और विशेषकर इसमें जो कठिनाईयां सामने आई या कमियां देखी गई, समिति ने उन पर विचार किया । देश को स्वावलम्बी और आत्म-निर्भर बनाने के उद्देश्य से दीर्घ-कालीन प्रचार के प्रश्न पर भी समिति ने विचार किया । इसके लिए प्रचार व्यवस्था में सुधार करने और प्रचार कार्यों में केन्द्र और राज्यों के बीच और अधिक मेल रखने के लिए समिति ने कुछ उपाय सुझाए । ये निर्णय सभी राज्य सरकारों और इस मंत्रालय के विभागों को अमल में लाने के लिए भेज दिए गए हैं ।